

संत अलॉयसियस स्वशासी महाविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

भाग अ परिचय -			
कार्यक्रम प्रमाण पत्र	कक्षा बी ए	प्रथम सेमेस्टर	सत्र 2022 2023
विषय: हिंदी साहित्य			
1	पाठ्यक्रम का कोड	A1-HLIT1T	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	हिन्दी काव्य	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	इलेक्टिव	
4	पूर्वापेक्षा	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए विद्यार्थी में किसी भी विषय से कक्षा बारहवीं प्रमाण पत्र डिप्लोमा किया हो पात्र हैं।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियां कोर्स लर्निंग आउटकम	<p>1.इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी हिंदी काव्य की सुधीर परंपरा से परिचित होंगे।</p> <p>2.प्रसिद्ध रचनाओं के अध्ययन से देश की सामाजिक सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय पृष्ठभूमि से सुविज्ञ होंगे।</p> <p>विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का विकास होगा, उनकी जीवन दृष्टि का विस्तार होगा जिससे वह जीवन एवं जीवन मूल्यों को समझने में सक्षम होंगे।</p> <p>4.रचनात्मक कौशल में दक्षता होगी जिससे उन्हें रोजगार की अनेक संभावनाएं मिलेगी।</p>	
6	क्रेडिट मान	04	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 25 75 न्यूनतम उत्तीर्ण	
भाग ब पाठ्यक्रम की विषयवस्तु			
व्याख्यान की कुल संख्या 60 (प्रति सप्ताह घंटे में 02)			
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या	
इकाई 1	<p>1 भक्ति काल एवं प्रमुख कवि</p> <p>1.1 भक्ति आंदोलन सामाजिक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि</p> <p>1.2 काव्य धाराएं एवं प्रवृत्तियां</p> <p>1.3 प्रमुख निर्गुण एवं सगुण कवि, भक्ति काल की प्रवृत्तियां</p> <p>2 प्रमुख कवि - निर्गुण मार्गी</p>	15	

	<p>2.1 कबीर दास व्याख्या एवं समीक्षा साखी - गुरुदेव को अंग – 1,5,7,11,13 विरह को अंग – 4,10,12,20,23 पद –</p> <ul style="list-style-type: none"> • दुल्हनी गावहु मंगलचार • पंडित बाद बंदते झूठा • लोका मति के भोरा रे • बोलौ भाई राम की दुहाई <p>2.1 मलिक मोहम्मद जायसी व्याख्या एवं समीक्षा मानसरोदक खंड - पद संख्या 1 से 3</p> <p>3 प्रमुख कवि सगुणमार्गी</p> <p>3.1 सूरदास व्याख्या एवं समीक्षा पद संख्या – 21,23,25,85</p> <p>3.2 गोस्वामी तुलसीदास व्याख्या एवं समीक्षा अयोध्याकांड</p> <p>मागी नाव न केवट आना। कहइ तुम्हार मरमु में जाना ॥ से बिदा कीन्ह करूनायतन भगति बिमल बरू देइ। (102 दोहा तक)</p>	
इकाई 2	<p>1 रीतिकाल की पृष्ठभूमि एवं प्रमुख कवि</p> <p>1.1 रीतिकाल की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि</p> <p>1.2 रीतिकालीन साहित्य के प्रमुख भेद - रीति सिद्ध, रीतिबद्ध, रीतिमुक्त</p> <p>1.3 रीतिकाल की प्रवृत्तियां</p> <p>2 प्रमुख कवि</p> <p>2.1 बिहारी व्याख्या एवं समीक्षा दोहा क्रमांक 1, 16, 18,20,21, 25, 27, 28, 37,46</p> <p>2.2 भूषण (व्याख्या एवं समीक्षा) शिवा बावनी पद संख्या 4,25, 26 छत्रसाल दशक पद संख्या – 1,7</p>	15
इकाई 3	<p>1 आधुनिक काल की पृष्ठभूमि एवं प्रमुख कवि</p> <p>1.1 आधुनिक काल की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, पुनर्जागरण काल, हिंदी नवजागरण काल एवं प्रवृत्तियां</p> <p>1.2 भारतेंदु युगीन साहित्य एवं प्रवृत्तियां</p>	15

	<p>1.3 द्विवेदी युगीन साहित्य एवं प्रवृत्तियां</p> <p>1.4 छायावाद युगीन साहित्य एवं प्रवृत्तियां</p> <p>2 प्रमुख कवि</p> <p>2.1 भारतेन्दु हरिश्चंद्र (व्याख्या एवं समीक्षा) हिंदी भाषा - निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति को मूल (10 दोहे)</p> <p>2.2 अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध (व्याख्या एवं समीक्षा) काव्य - एक बूंद मीठी बोली</p> <p>2.3 जयशंकर प्रसाद (व्याख्या एवं समीक्षा) कामायनी के श्रद्धा सर्ग से - प्रकृति के यौवन का श्रृंगार करेंगे कभी ना बासी फूल से खिंची आवेगी सकल समृद्धि तक का अंश</p> <p>2.4 सूर्यकांत त्रिपाठी निराला (व्याख्या एवं समीक्षा) जागो फिर एक बार : भाग 2, वह तोड़ती पत्थर</p> <p>2.5 महादेवी वर्मा (व्याख्या एवं समीक्षा) मैं नीर भरी दुख की बदली बीन भी हूं मैं तुम्हारी, रागिनी भी हूं</p>	
इकाई 4	<p>1 छायावादोत्तर काव्य धाराएं एवं प्रमुख कवि</p> <p>1.1 उत्तर छायावाद की विविध वैचारिक प्रवृत्तियां</p> <p>1.2 प्रगतिवाद साहित्य एवं प्रवृत्तियां</p> <p>1.3 प्रयोगवाद साहित्य एवं प्रवृत्तियां</p> <p>1.4 नई कविता, समकालीन कविता प्रमुख प्रवृत्तियां</p> <p>2 प्रमुख कवि</p> <p>2.1 अज्ञेय (व्याख्या एवं समीक्षा) नदी के द्वीप, यह दीप अकेला</p> <p>2.2 गजानन माधव मुक्तिबोध (व्याख्या एवं समीक्षा) मैं तुम लोगों से दूर हूं, भूल गलती</p> <p>2.3 नागार्जुन (व्याख्या एवं समीक्षा) अकाल और उसके बाद, बादल को घिरते देखा है</p> <p>2.3 धूमिल (व्याख्या एवं समीक्षा) रोटी और संसद, बीस साल बाद</p> <p>3 अभ्यास</p>	15

3.1 काव्य पाठ (सस्वर)	
3.2 सुलेखन	
3.3 शुद्धवाचन	

अनुशासित सहायक पुस्तकें/ ग्रंथ/ अन्य पाठ संसाधन/ पाठ सामग्री:

पाठ पुस्तकें -

- 1 सं. बड़थवाल, पीतांबरदत्त, गोरखबानी, प्रकाशन हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
- 2 दीक्षित, आनंद प्रकाश, विद्यापति पदावली, साहित्य मंदिर प्रकाशन, ग्वालियर
- 3 सं. दास, श्यामसुंदर, कबीर ग्रंथावली, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
- 4 शुक्ल, आचार्य रामचंद्र, जायसी ग्रंथावली, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
- 5 शुक्ल, आचार्य रामचंद्र, भ्रमरगीत सार, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- 6 गोस्वामी, तुलसीदास, श्री रामचरितमानस, गीता प्रेस, गोरखपुर
- 7 रत्नाकर, जगन्नाथदास, बिहारी रत्नाकर, रत्नाकर पब्लिकेशन, वाराणसी
- 8 मिश्र, विश्वनाथ प्रसाद, भूषण ग्रंथावली, साहित्य सेवक कार्यालय, काशी
- 9 शर्मा, हेमंत, भारतेंदु समग्र, हिंदी प्रचारक संस्था, वाराणसी
- 10 शाही, सदानंद, अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध रत्नावली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- 11 प्रसाद, जयशंकर, कामायनी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- 12 शर्मा, रामविलास, राग विराग, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- 13 वर्मा, महादेवी, परिक्रमा, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद
- 14 पालीवाल, कृष्ण, अज्ञेय रचनावली, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली
- 15 मुक्तिबोध, गजानन माधव, चांद का मुंह टेढ़ा है, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- 16 सिंह, नामवर, प्रतिनिधि कविताएं नागार्जुन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- 17 सं. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, संक्षिप्त पृथ्वीराज रासो, काशी विश्वविद्यालय, बनारस प्रथम संस्करण 1952 ई.

संदर्भ ग्रंथ

- 1 डॉ नगेंद्र, (संपादक), हिंदी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली 1976
- 2 शुक्ल, रामचंद्र, हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 2019
- 3 तिवारी, रामचंद्र, हिंदी गद्य का इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 1992
- 4 चतुर्वेदी, रामस्वरूप, हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 2019
- 5 सिंह, नामवर, आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 2011
- 6 द्विवेदी, हजारीप्रसाद, हिंदी साहित्य का आदिकाल, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना, 1961 तृतीय संस्करण
- 7 भटनागर, रामरतन, प्राचीन हिंदी काव्य, इंडियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग 1952

अनुशंसित मूल्यांकन विधियां

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां

अधिकतम अंक- 100

सतत व्यापक मूल्यांकन- 40

विश्वविद्यालयीन परीक्षा- 60

आंतरिक मूल्यांकन सतत व्यापक मूल्यांकन	क्लास टेस्ट असाइनमेंट प्रस्तुतीकरण	24 08 08 कुल अंक - 40
आकलन विश्वविद्यालयीन परीक्षा समय- 3 घंटे	अनुभाग(अ) : पाँच अति लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द) अनुभाग(ब) : पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 200 शब्द) अनुभाग(स) : तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	5×1=05 5×4=20 5×7=35 कुल अंक - 60

